राष्ट्रीय सेवा योजना राठ महाविद्यालय पैंठाणी पौडी गढवाल

(संबद्वता-हे0नं0ब0 गढवाल (केंद्रीय) विश्वविद्यालय श्रीनगर गढवाल)

' अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस ' (दिनॉक 10 दिसम्बर 2022)

Table of Contents

S.N	Name pf Programe	Name Of Activities	Date	Session	Page No.
15.	International Human Rights day	Symposium on "Development of human qualities and human rights	10 December 2022	2022-23	25

International Human Rights day (10 december 2022) Human rights were discussed today under the aegis of National Service Scheme (NSS) unit of the College. The topic of discussion was "Development of human qualities and human rights. In the seminar organized on the subject, the speakers said that until human being unless human qualities are developed whith in, man will remain man senemy. Love affection , tolerance are impotent qualitites of humanity. Therefore, it was unanimously accepted that only a personality full of human qualities can respect the dignity of man. The seminar was addressed by volunteer students Anjali, Deeksha Nautiyal and Anita.

•





11- दिसम्बर-२०२२ M. 9760241521, M. 8923196960 मानव अधिकारी 123 संजय कुमार राजपूत को लेकर'राष्ट्रीय सेवा योजनां की राष्ट्राय सवा याजन महाविद्यालय इकाई द्वारा आयोजित की गईं विचार गोष्टी।

पौड़ी गढ़वाल, पैठाणी। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विश्व मानवाधिकार दिवस के सुअवसर पर राठ महाविद्यालय पैठाणी पौड़ी गढ़वाल में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य वक्ता के रुप में पूर्व प्रधानाचार्य श्री डी० एस० नेगी उपस्थित रहे। मानव अधिकारों को लेकर प्राध्यापकों व स्वयंसेवी छात्र / छात्राओं के मध्य हुए व्यापक विचार-विचार विमर्श में वक्ताओं नें कहा की मानव व मनुष्यता की गरिमा की सुरक्षा अत्यंत जरुरी है। वर्तमान में चर्चित अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या को डॉ0 विरेन्द्र चंद नें कहा की जनता की जागरूकता का परिणाम है, की सरकार लगातार अपराधियों को खोज रही है। उन्होंने कहा की जब हम जागरूक होंगे और दूसरों के अधिकारो को लेकर भी सजग होंगें तो निश्चय ऐसी घटनाओं की पुनरावृति नहीं होगी। डाॅ0 राजीव दुबे नें कहा की मानवता के इतिहास नें दो युद्धों की विभीषिका झेली हैं और उसका परिणाम भी दुनिया नें देखा है। जब तक मनुष्य, मनुष्य राष्ट्र, राष्ट्र को सम्मान नहीं देगा तब तक ऐसी त्रासदियाँ मानवता को झेलनी ही पड़ेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री डी0एस0 नेगी कहा की सभी मनुष्य एक सामान हैं क़ोई बड़ा अथवा छोटा नहीं हो सकता। मानव जन्म से समान है। इसीलिये समानता के आधार पर उसके साथ प्रेम और भ्रातृत्व का व्यवहार किया जाना चाहिए। स्वयं सेवी छात्रा कु0 अंजलि नें कहा की सयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1948 में स्थापित मानवाधिकार आयोग इसीलिये स्थापित किया गया था की वह मनुष्य के मुलभुत प्राकृतिक अधिकारों की रक्षा कर सके। कु० अनीता नें कहा की आज भी हमारा समाज जातियों और वर्गों में बंटा हुआ है। जब तक ये जातीय विभिन्नता खत्म नहीं हो जाती तब तक मानव अधिकारों की सुरक्षा होना संभव नहीं है। उन्होंने महिला-पुरुषों के बीच में अंतर को भी साझा किया जबकि आज बेटियां आसमान छु रही है। कु० दीक्षा नौटियाल नें कहा की समाज में प्रेम और शोहार्द अत्यंत जरुरी है। विचार गोष्ठी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री डी0 एस0 नेगी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। स्वयं सेवी छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना तथा दूसरे प्रेरणा गीत, लोकगीत के साथ शुरू हुआ।





लोक संक्रिता प्रतिनिधि

पैन्छला के निवासी हाल निवास ग्रेमचंत

वर्धन के लिए एक अनोखी पहल है. जिसमें हर संस्कारों के अवसर त, जिसमें हर संस्थाद के जयस पर पौधारोपण का कार्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि समलीण पौधारोपण आज राज्य से हटकर अना राजों में चलाया जा रहा है जिसमें लोग बढ़-चढ़कर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सभी लोगों से इस पाल को आगे बढ़ाने की अपील

दौरान नकारात्मक राजनीति दुष्प्रचार का काम ग्रे थे। यह लो चुनाव में विफल होने के बा गायब हो गए और अब जनता ह बीच नहीं आते हैं। ऋषिके वाच नहां आत है। ऋष्यकः विधानसभा क्षेत्र में विकास करन उनकी जिम्मेदारी हैं, इसके लिए व सदैव प्रयासस्त हैं। धन की कम् विकास कार्यों में नहीं आने र

विश्व मानवाधिकार दिवस पर विचार गोष्ठी आयोजित



लोक संहिता प्रतिनिधि गत महाविद्यालय पठाणा। यठ महाविद्यालय रणी पौड़ी गढ़वाल में राष्ट्रीय सेवा जना इकाई के द्वारा विश्व स्वाधिकार दिवस के अवसर पर विचार गोप्री का आयोजन । गया। जिसमें मुख्य वक्ता के में पूर्व प्रधानाचार्य डी०एस० ो शामिल रहे। शनिवार को विद्यालय में आयोजित विचार ही का शुभारम्य मुख्य अतिथि १एस० नेगी हाल दीप प्रज्वलन साथ किया गवा। इस दौरान

नई द्विरी। भिलंगना के गोनगद

। के पौनाझ में आयोजित दुध्याई । मेले में तीसरे दिन श्रहालुओं की

में भीड़ उमझे। अद्धालुओं ने पाड़ी देवी के दर्शन कर देवी को रुल और फिटाई भेंट कर मनौती

... मेला समिति के अध्यक्ष पुरव

र पंचार ने बताया 14 नवंबर को टन मंत्री सतपाल महाराज दुध्याड़ी

ो मेले शरकत करेंगे। 12 वर्ष बाद बेजित हो छे दुष्याड़ी देवी मेले तीसरे दिन भागीरथी विकास

तासर दिन भागांच्या विकास भक्तरण के उपाध्यक्ष व राज्यमंत्री बल सिंह बिष्ट ने बतौर मुख्य तथि मेले में शिरकत की। मेला शिंत व मंदिर समिति से जुड़े लोगों उनका पूल मालाओं से स्थागत

उन्हें मां दुध्याड़ी देवी का स्मृति

दुध्याड़ी देवी मेले में

श्रद्धालुओं मांगी मन्नत

स्वयंसेवी छात्र-छात्राओं सरस्वती वन्दना तथा दूसरे प्रेरणा गीत, लोकगीत गाए। गोष्टी में मानवाधिकारी को लेकर प्राध्वापको व स्वयंसेवी छात्र-छात्राओं के मध्य हुए, व्यापक विचार-विमर्श में बक्ताओं ने कहा कि मानव व मनुष्यता की गॉरमा की सुरक्षा अत्यंत जरुरी है। वर्तमान में चर्चित अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या पर डॉ0 विरेन्द्र चंद ने कहा कि जनता की जागरूकता का परिणाम है कि सरकार लगातार अपगधियों को

बाद हो से मेले के विशाल और भव्य आयोजन हेतु मेला, मेदिर समिति के

साथ गोनगढ क्षेत्र के लोग बधाई दी

है। उन्होंने कहा कि महाकूंभ की तर्ज पर 12 वर्ष में मां दुध्याड़ी देवी अपने मूल स्थान से बाहर आकर क्षेत्र के

लोगों को दर्जन देकर सुख समृद्धि का आशीर्वाद देती है। मेले में विभिन्न सांस्कृतिक टीमों की ओर से रंगारंग

कार्यत्रम प्रस्तुत किया गया। मां दुष्याडी देवी की डोली क्षेत्र भ्रमण कर गांय-गांय जाकर लोगों को दर्शन देने के बाद शत को अपने मूल

स्थान पर लौटती है। देश विदेश में रह रवान पर लाट्या का दश त्यादश में रह रहे गोनगढ़ क्षेत्र के प्रवासियों की दुष्याड़ी देवी पर अट्ट आस्था है, कई प्रवासी लोग घर आकर देवी की

आराधना में जुटे हैं।

खोज रही है। उन्होंने कहा कि हम जागरूक होंगे और दूसरों के अधिकारों को लेकर भी सजग होंगे तो निखय ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी। वहीं डींo राजीव दुवे ने कहा कि मानवता के इतिहास ने दो युद्धों की विभीषिका जेती हैं और उसका परिणाम भी दुनिया ने देखा है। जब तक मनुष्य, पुन्या न देखा हो जब तक मनुष्य, मनुष्य राष्ट्र, राष्ट्र को सम्मान नहीं देगा, तब तक ऐसी जासदियां मानवता को जेलनी ही पड़ेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर सी

मानवाधिकार के मुल्यों में ही स्वतंत्रता निहित है

ऋषिकेश। जारी विकास मंत्री प्रेमचंद आवाल ने कहा कि मत्तवधिकार के मूल्वों में ही स्वतंत्रता निहित है। इसके सूनिश्चित होने पर ही न्याय को संभव बनाया जा सकता है। शनिवार को बैग्रज गेड स्थित कैंप कार्यालय में विश्व मानवाधिकार दिवस करवालन म विश्व मानव्याधिकार रिद्यम् गर कार्यक्र अञ्चीतित हुन्जा। कैविनेट मंत्री ग्रेमचंद असवाल ने कहा कि मंत्रुक्त राष्ट्र की आमसभा ने 10 दिसंबर 1948 को मानवाधिकार प्रोपणापत्र को अपनाख था। इसमें दुनिया में किसी लिंग, रंद, धर्म, जाति, मापा, राजनीति वा अन्य विचारधारा गर्धेय या सामाजिक मूल के, जन्म, सम्मति या किसी अन्य भेदभाव के विना प्रापेक व्यक्ति को मानव होने के नाते अधिकार दिए गए है। मौके पर शम्भू पासवान, दाताहम नौटिवाल, अमन कुकरेगी, नितन शर्मा, दीपक नेमी, र्राव थपलिवाल, प्रमोद कुमार आदि तपस्थित सो।

ानुष्य एक सामान है कोई बर अथवा छोटा नहीं हो सकता मानव जन्म से समान है इसीलिए समानता के आधा पर उसके साथ प्रेम ार उसके साथ ग्रेम औ गतुत्व का व्यवहार वि नाना चाहिए। इसके साथ व्यवसंबी छात्रा अंजील ने क के संयुक्त राष्ट्र संघ हा 1948 में स्थापि 1948 वाधिकार आयोग इसीनि ापित किया गया था कि रनुष्य के मूलभूत प्राकृतिः अधिकारों की रक्षा कर सके

अनीता ने कहा कि आज हमारा समाज जातियों और वर्गों बंद हुआ है। जब तक ये जाती विभिन्नता खत्म नहीं हो जाती, त तक मानव अधिकारों की सुरक्ष होना संभव नहीं है। उन्हों महिला-पुरुषों के बीच में अंतर क भी साझा किया और कहा वि आज बेटियां आसमान छु रही है टीक्षा नौटियाल ने कहा कि समा में प्रेम और सोहार्द अत्यंत जरु है। इस मौके पर महाविद्यालय व समस्त प्राध्यापक व स्वयंसेव छात्र-छात्राएं मीजृद रहे।

गीता मानव

लोक संहिता प्रतिनि गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य वु के तत्वावधान में गीता सुगीता क पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन

गोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ. कर कहा कि गीता जयंती के अवस् हो आया महर्षि चेदच्यास के इस च मीता सुगीता कर्तव्या, जिसका अर द्वारा प्रणीत भगवत् गीता का सुगायन करना चाहिए। यहां सुगाय

अर्थ मात्र गीता के होकों को कं गाने से नहीं है। इसका अर्थ है गीता को ' पढ़कर, उसके अर्थ और भावों व उन पर मनन कर अपने अंतः कर कर लेना चाहिए, यानि गीता जीवन बिताना चाहिए, तब तो गी करने या अवण करने से लाभ है 3 कहा कि गीता बेद उपनिषदीं का इसमें कोई संदेह नहीं। बेद धर्म क वेद जहां एक और ज्ञान के भंडा ही कमें और उपासन

3 of 8



10-12-2522 कार्यक्रम का नाम - विश्व मा नवाधिकार विश्व 10 14412- 2022 1-राष्ट्रीत्र सवाभाजाना (सन्त्यप्रप्त) द्वीत राक्त महाविसाल भ पेठानी भेड़ी गढ़्याल हार 513 2/10101 10 14 (129 (2012 B) AIN! 11100 माने से कुकार स्ट्रिकाम् अवन कुम स्ट्रिक -07 में व मानवाशिकारो को खर्पास्थात रवंभ रोवा दार्थ-हार्शाङ्ग विसार भिष्ठी की अध्ययन में मिवदाला के रिस्टि शास्तापद सार दीवएसक नेगी ने की सप H-11010 312434 31813/2 (64/3) 310 301 7001 थ्रपलियात के दिया । मार्की की, पाद्यापर 3/6 जीरेल्ड यह डी० प्राजीय दुव में 819 डी० एसंठ नेजा के अल्लाका, समय सवा हात्रा कुठ अजिला), कु० दास्। नारियाल इन कु० अनिया ने द्वानाह समा वलाओं की विचार ए। हि, जब तर् भावना विकासर नहीं के जा तव तह आनवाधिकारी छ डारे दलाकार चिंह नागी -mudos 3 310 01206 WG 3/0 राजीव हुन (D) - 5/0 GA 2001

	Ann	19 1
0	वीक्षा	Bksha 7505388615
2	· प्रिमेका	Prizonka 7818 080781
8	Priale	Triali 9897671964
9.	MA SILVE	7505721587
(3)	Elifaii	Signeyof 8475843860
(6)	श्रिवानी	Shivani, 7617454854
(7)	व्यारता	Saxtita 7906956607
8	नीलम	Neelam 6396869784
9	प्रतम	Poomann 93995+9509
(10)	स्पना	Salma 8279344703
60	Angred Kuman	Pyuman. 8630440496
(5)	भकेश	MUKESIA 7017874876
(18)	Harriskhen	mnottakhan 9412896090
(A)	Amita	Amita 8279571994
(15)	Chanolo	Chanda 7466819074
(16)	Sompati	Sompati 8126788551
(17)	वाख्रिका	Rodhika 8791180162
(18)	माह्या	Sakshi 8057472154
(19)	वबीता	Pabita 9548415759
(20)	पीति	Rescerti 7505476439
71	यमय-ठी	Dany and ? 8755 628541
22	Shivan'	Shiveni 639726750
23	रावना	Ravina 847.159.35286
	×	
	Extract.	distry
	अयंक्रम अधिकारी	वि । भेष्य प्रावाय
	कि का रोग योगना	प्राचीय गठ महाविद्यालय पैटाणी
6	विद्राय सेवाणी (पीडी) गहवार	राठ महाविद्यारा पीड़ी गड़वाल, उत्तराखण्ड